Notes Research-Report - अनुसंधान प्रतिवेदन -

Main point :- ① अनुसंधान प्रतिवेदन अनुसंधान प्रक्रिया का लिखित सम्प्रेषण रूप में सुव्यवस्थित अन्तिम परिणाम है।

② अनुसंधान - प्रतिवेदन को समस्त अनुसंधान का लिखित विवरण है।

③ कोई भी अनुसंधान कार्य उस समय तक पूरा नही होता है जब तक कि उसका प्रतिवेदन न हो जाये।

④ प्रतिवेदन को तैयार करते समय सबसे महत्वपूर्ण बात जो ध्यान में रखनी चाहिए, वह प्रतिवेदन के कार्य है। इस सम्बन्ध में जहोदा तथा अन्य ने लिखा है—

"किसी प्रतिवेदन का उद्देश्य स्वयं में संचार करना नहीं है बल्कि श्रोताओं एवं पाठको तक अपने विचारों को पहुँचाना है।"

The purpose of a Report is not - Communication with oneself but Communication with the audience."

अनुसंधान प्रतिवेदन के उद्देश्य :- Objectives

Notes

(2) अनुसंधान का क्षेत्र एवं शीर्षक स्पष्ट रूप से बताने के लिए किया जाता है।

(3) शोध कार्यो को व्यवस्थित तथा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु किया जाता है।

(4) शोध निष्कर्षो को सम्बन्धित पाठको तक पहुँचाने के लिए किया जाता है।

(5) समस्या का समाधान कर पाठकों के ज्ञान कोष में वृद्धि करने हेतु किया जाता है।

(6) इस क्षेत्र में अन्य अनुसंधान कर्ताओ को सम्बन्धित साहित्य तथा सम्बन्धित क्षेत्र में नई अन्तर्दृष्टि प्रदान करने हेतु किया जाता है।

एक आदर्श प्रतिवेदन की विशेषताएँ →

(1) प्रतिवेदन को सुन्दर और आकर्षक बनाया जाना चाहिए। अधिक तड़क-भड़क को इसमे स्थान नहीं देना चाहिए, रिपोर्ट को आकर्षक बनाने के लिए शीर्षक, ग्राफ, फोटो, आदि का प्रयोग उपयुक्त ढंग से किया जाना चाहिए।

(2) प्रतिवेदन को सरल, स्पष्ट, और आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करना चाहिए। मुहावरे, लोकोक्तियों को इसमे स्थान नहीं देना चाहिए।

(3) तथ्यों का विश्लेषण तार्किक- एवं वैज्ञानिक आधार पर होना चाहिए। जिसमे किसी को

Scanned with CamScanner

Notes

यह सन्देह नहीं होना चाहिए कि प्रतिवेदन कल्पनाओं या अर्द्धों पर आधारित है।

(4) एक ही प्रकार के तथ्यों को बार-बार नहीं दोहराया जाये।

(5) अनुसंधान की कठिनाइयों, समस्याओं एवं कमियों का वर्णन प्रतिवेदन में करना चाहिए।

(6) एक आदर्श प्रतिवेदन में कुछ ऐसी बातों का भी संकेत दिया जाता है, जो भविष्य के अनुसंधानों के लिए उपयोगी हो।

(7) प्रतिवेदन निष्पक्ष तथा रचनात्मक एवं उपयोगी हो।

प्रतिवेदन की कुछ समस्यायें :-

(1) भाषा की समस्या ↓ Problem of Language (2) बौद्धिक-स्तर की समस्या ↓ problem of Intellectual level (3) Problem of objectivity (4) Problem of telling concept (5) Problem of telling Truth.

Importance of the Report :- प्रतिवेदन का महत्व :-

(1) ज्ञान के विस्तार में सहायक है।
(2) प्रतिवेदन में उल्लिखित पद्धतियाँ

Notes

भविष्य में अनुसंधान करने वाले के लिए बड़ी उपयोगी हो सकती है। इन ~~पद्धतियों के~~ पद्धति के आधार पर नवीन पद्धतियो की खोज की जा सकती है।

(3) अनुसंधान प्रतिवेदन से समाज की बहुत सारी समस्याओं को समाप्त किया जा सकता है।

(4) नवीन अध्ययनों के लिए मौजूदा प्रतिवेदन उपकल्पना के आधार बन सकते है।

Formate of the Research Report :-

(A) Preliminary section (प्रारंभिक खण्ड)

(1) Title page (आवरण पृष्ठ)

(2) Approval letter (स्वीकृति पत्र यदि आवश्यक)

(3) प्रस्तावना (Preface) प्राप्तियो सहित

(4) अन्तर्वस्तु सारणी (content)

(5) List of Tables (सारणियों की सूची)

(6) चित्र - ग्राफ, की सूची (List of Figures and Graph)

(B) Main Body of the Report — प्रतिवेदन का प्रमुख भाग।

Notes

① Introduction प्रस्तावना | परिचय
(i) समस्या की प्रस्तुति (अध्यायों के अनुसार)
(ii) अध्ययन से सम्बन्धित समुचित साहित्य का पुनावलोकन | समीक्षा (Review)
(iii) परिकल्पना सम्बन्धी अवधारणामें
(iv) परिकल्पनाएँ
(v) मुख्य शब्दों की परिभाषा
(vi) समस्या का सीमांकन

② अध्ययन की विधि — (Study of Method)
(i) अध्ययन की प्रक्रिया (ii) आकड़ों के स्रोत
(iii) आवश्यक उपकरण (iv) प्रतिचयन | आँकड़े संकलन की विधियाँ

③ आँकड़ो का विश्लेषण व व्याख्या — (Analysis and Interpretation of data)
(i) मुख्य विषय (ii) सारणी (iii) आरेख यदि कोई हो।

④ साराश व निष्कर्ष — (i) संक्षिप्त सारांश

Notes

(C) सन्दर्भ खण्ड (Reference Section)

(1) सन्दर्भ ग्रन्थ सूची (Biblio-Graphy)
(2) परिशिष्ट (Appendix)
(3) तालिका (Table)
(4) सूचांक (Index)

(A) Preliminary Section —

(1) Title Page (शीर्षक)

शीर्षक बड़े अक्षरों में छपा होना चाहिए.........

बालकों के जन्म क्रम का उनकी बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययम

Logo of University.

मगध विश्व विद्यालय के शिक्षाशास्त्र विषय में पी०एच० डी० की उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रबन्ध
(27 April 2020)

निर्देशक
(ABC)

शोधकर्ता
(ABC)

Notes

(2) Apporval Letter स्वीकृति पत्र — R.D.C द्वारा Signature होने चाहिए।

(3) प्रस्तावना या आभार प्रदर्शन | प्राक्कथन — Preface or Acknowledgment

(4) अन्तर्वस्तु सूची (Table of Contents) —

अन्तर्वस्तु सूची का एक नमूना प्रस्तुत किया जा रहा है।

अध्याय (अनुक्रमणिका) पृष्ठ संख्या

स्वीकृति पत्र —	(I)
प्राक्कथन / आभार प्रदर्शन —	(III)
अन्तर्वस्तु सारणी —	(iv)
सारणियों की सूची —	(iv)
चित्र एवं ग्राफ की सूची —	(V)
अध्याय प्रथम : प्रस्तावना	(1 – 15)

Scanned with CamScanner

Maa. Sarswati की Pic

Full Page पर

Second page — Tod

(निर्देशक)
(डॉ० रविन्द्र कुमार)
(प्राचार्य (TTC)
(बोधगया (बिहार)

(शोधार्थी)
Name - (ABC)
टीचर ट्रेनिंग कॉलेज
(बोध गया)(बिहार)

कृपया निम्न सूचनाएँ अंकित करें

1. नाम : ______
2. पिता | पति का नाम ______
3. लिंग (पुरुष / महिला ______
4. उम्र ______
5. शिक्षा (बी० टी० सी०) बी०एड० एम०एड० ______
महाविद्यालय (ट्रेनिंग कॉलेज) नाम ______
निवास (ग्रामीण / शहरी) ______
8. संकाय ______

Scanned with CamScanner

Notes III Page – अभिप्रायों मापनों का विवरण

~~अपना परिचय पत्र – III~~

(4) Page पर अपना परिचय

(5) Page पर घोषणा पत्र

(6) Page पर आभार प्रदर्शन

(7) प्रमाण पत्र

(1) प्रस्तावना – शोध का परिचय

(2) शोध का उद्देश्य – आवश्यकता

(3) परिकल्पना

(4) शोध कार्य का महत्व – उपयोगिता

(5) शोध विधि अध्ययन विधि

(6) सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

Today that I lecture delivered

Student do their H.W and

Next class is for discuss.

Scanned with CamScanner

अनुसंधान-प्रस्ताव - class I

Dr. Ravindra Kumar Principal (TTC)
class - M.Ed. IInd SEM Session (2018-20)

Topic :- रिसर्च-प्रपोजल / सिनोप्सिस

(A) Main points :- ① रिसर्च-प्रपोजल / सिनोप्सिस 4 या 5 Page से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

② रिसर्च-प्रपोजल / सिनोप्सिस सीधी Topic से संबंधी बात होनी चाहिए।

③ सरल एवं सुलझा हुआ शीर्षक (Topic) होना चाहिए।

④ स्पष्टता होनी चाहिए।

⑤ आकर्षक कवर Page होना चाहिए।

(B) शोध-प्रस्ताव के चरण

① शोध-कार्य का परिचय (प्रस्तावना)

(A) शोध का परिचय देने से पहले विषय का गहन अध्ययन करना चाहिए।

(B) उपलब्ध-साहित्य का अध्ययन करें। (क्या रह गया है और क्या नहीं)

(C) समस्या की पहचान करनी है।

(d) समस्या का परिचय (अवधारणात्मक / व्याख्यात्मक)

② शोध-कार्य का उद्देश्य

(A) शोध-कार्य के उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा 8 से 10 लिख सकते हैं। बिन्दुवार तरीके से।

(B) उद्देश्य रिसर्च कार्य से संबंधित होने चाहिए।

Scanned with CamScanner

③ शोध की परिकल्पना

परिकल्पना स्पष्ट एवं सन्दर्भित होनी चाहिए।
जहाँ तक भी परिकल्पना सत्य सिद्ध होनी चाहिए।
परिकल्पनाएं 5 से या 6 से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।
अति उत्साह तथा उत्तेजना से ~~बच~~ बचना चाहिए।

④ शोध कार्य का महत्त्व

शोध में समग्रता का ध्यान रखना चाहिए
व्यक्तिवादिता को ध्यान में नहीं रखते हुऐ कार्य करना चाहिए।
बिन्दुवार लेखन-प्रणाली होनी चाहिए।
कम से कम 6 या ज्यादा से ज्यादा 10 महत्त्व नोट करने चाहिए।

⑤ प्रस्तावित शोध-अध्ययन की विधि

आकड़े (Data) संकलित करना

डाटा

↓

प्राथमिक डाटा → साक्षात्कार, प्रश्नावली, अनुसूची, अवलोकन → सहभागी — असहभागी

② द्वितीय डाटा → समाचार पत्र, Book, मैगजीन, पहले जो की गयी रिसर्च आदि

समग्रता को ध्यान मे रखते हुऐ निदर्शन (Sampling)
→ A अन्वेषणात्मक (खोज) एवं वर्णात्मकता को महत्त्व।
B आदर्शात्मकता को नजर-अंदाज करना है।
C वैज्ञानिक प्रमाणिता को सिद्ध करना है।

(6) सन्दर्भ ग्रंथ सूची

A —
B —
C — at self collecting data

note Reference Book. New Paper. Site Net, etc.

कवर पेज

First — University Name — Like:

Magadh University Bodhgaya Bihar

~~+2 II nd class~~

M.Ed 2nd Semester का आंशिक आपूर्ति हेतु

Notes Dr. Ravindra Kumar (Principal) 4-5-20[illegible]

Example of some Hypothesis :-

समस्या - "कक्षा में छात्रों की विज्ञान विषय के प्रति अभिवृत्ति की समस्या"

परिकल्पना :- ① विज्ञान एवं कला वर्ग के विद्यार्थियों की भौतिक विज्ञान विषय के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक है।

② विज्ञान वर्ग के छात्र एवं कला वर्ग की छात्राओं की भौतिक विज्ञान विषय के प्रति अभिवृत्ति में कोई अन्तर नहीं है।

③ कला वर्ग के छात्र एवं विज्ञान वर्ग की छात्राओं की भौतिक विज्ञान विषय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

समस्या — "कक्षा में बालक एवं बालिकाओं की अधिगम अक्षमता की समस्या"

परिकल्पना :- ① बालक और बालिकाओं की अधिक अक्षमता सम्बन्धी कठिनाईयों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

समस्या :- "प्रेरणा का सीखने से क्या अन्तर है।"

Scanned with CamScanner